तापमान
अधिकतम 37.8 डिग्री
न्यूनतम 18.1 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 अप्रैल 2025

11 ओम केवल एक ध्वनि नहीं बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड की...

12 बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया

खबर संक्षेप

मार्बल की दुकान से हजारों के पत्थर चोरी

हांसी। हिसार रोड स्थित एक मार्बल स्टोर से अज्ञात चोर हजारों रुपये का मार्बल व ग्रेनाइट पत्थर चुराकर ले गए। चोरी की वारदात के समय दुकान मालिक दीपक किसी काम से बाहर गया था और जब वह रविवार सुबह वापस दुकान पर लौटा तो दुकान से हजारों रुपये का सामान गायब मिला। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर दुकान मालिक की शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मार्बल स्टोर संचालक दीपक ने बताया कि वह हांसी के हुड्डा सेक्टर का रहने वाला है।

बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण आज

हिसार। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं सांसद कुमारी सैलजा 14 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर जयंती पर प्रातः 9 बजे हिसार के लघु सचिवालय में स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके श्रद्धासुमन अर्पित करेंगी। इसी दिन दोपहर 12 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर सभा द्वारा सिरसा के गांव कालांवाली में आयोजित कार्यक्रम में सांसद कुमारी सैलजा सम्मिलित होंगी। हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि कार्यक्रम में अनेक पार्टीजन व समाजसेवी मौजूद रहेंगे।

महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से हवाई सेवाओं का विधिवत शुभारंभ करेंगे प्रधानमंत्री

प्रदेश को आज मिलेगा पहला हवाई अड्डा पीएम मोदी दिखाएंगे फ्लाइट को हरी झंडी

- कार्यक्रम की तैयारियां पूरी, सुरक्षा एजेंसियों ने संभाला मोर्चा, ऐतिहासिक होगा पल
- मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से हवाई सेवाओं का विधिवत से शुभारंभ करेंगे। इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों मोर्चा संभाल लिया है वहीं राज्य व प्रशासन के उच्चाधिकारियों ने समारोह स्थल का जायजा लिया है।

हरियाणा का पहला एयरपोर्ट

हिसार का महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट प्रदेश का पहला एयरपोर्ट होगा, जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। वर्ष 2014 में भाजपा के पहली बारे सत्ता में आने के बाद इस दिशा में प्रयास शुरू किए गए, जो अब सार्थक होने जा रहे हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल, तत्कालीन वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु व पार्टी के अन्य नेताओं के प्रयासों से इस काम ने गति पकड़ी और अब यह ऐतिहासिक पल होगा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिसार एयरपोर्ट से अयोध्या के लिए पहली फ्लाइट को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

मुख्य सचिव ने लिया जायजा

हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी व एसपीजी के आईजी लव कुमार ने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग सहित आला अधिकारियों के साथ रैली स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अंतिम रूप दिया।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान एयरपोर्ट टर्मिनल का शिलान्यास होगा वही अयोध्या को जाने वाली फ्लाइट को रवाना किया जाएगा। प्रधानमंत्री एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

भव्य पंडाल किया तैयार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली फ्लाइट को झंडी दिखाने के बाद रैली को भी संबोधित करेंगे। इसके लिए प्रशासन ने जनता के बैठने के लिए भव्य पंडाल तैयार किया है। कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए यातायात की सुविधा उपलब्ध कराई गई है और उनके लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

हिसार। राज्य के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए। फोटो : हरिभूमि

मुख्य सचिव व अन्य अधिकारियों ने की समीक्षा

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और महानिदेशक के एम पांडुरंग ने एयरपोर्ट परिसर, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, आमंत्रित अतिथियों की सुविधा, मीडिया गैलरी और अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की और संबंधित नोडल अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि यह एयरपोर्ट न केवल हिसार बल्कि आसपास के जिलों के लिए भी एक बड़ी सौगात साबित होगा। हवाई सेवाओं के शुरू होने से क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन और निवेश को नई उड़ान मिलेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में किसी प्रकार की कमी न रहे और समस्त व्यवस्थाएं समय पर और सुचारू रूप से पूरी की जाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दौरा हरियाणा के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मंत्री गंगवा ने लिया जायजा

इससे पहले लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने भी रैली स्थल का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह दिन हरियाणा, विशेषकर हिसार के लिए ऐतिहासिक और अत्यंत गर्व का क्षण होगा, जब प्रदेश को उसका पहला एयरपोर्ट मिलेगा। उन्होंने कहा कि हिसार अब न केवल औद्योगिक और शैक्षणिक रूप से बल्कि हवाई कनेक्टिविटी के लिहाज से भी अग्रणी जिलों में शामिल हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि हिसार में होने वाली जनसभा में प्रदेश के 12 से अधिक जिलों से लगभग एक लाख लोग पहुंचेंगे।

ये अधिकारी रहे मौजूद

मौके पर नोडल अधिकारी आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन, हिसार मंडल के आयुक्त ए श्रीनिवास, नागरिक उड्डयन विभाग के महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़, उपायुक्त अनीश कुमार, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, अतिरिक्त निदेशक विवेक कालिया सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने लिया तैयारी का जायजा

हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को हिसार के महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से हवाई सेवाओं का विधिवत से शुभारंभ करेंगे। इस कार्यक्रम की तैयारियो का जायजा लेने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में किसी प्रकार की कमी न रहे और समस्त व्यवस्थाएं समय पर और सुचारू रूप से पूरी की जाएं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान एयरपोर्ट टर्मिनल के दूसरे चरण का शिलान्यास होगा। इसी दौरान यहां से अयोध्या को जाने वाली पहली फ्लाइट को रवाना किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एयरपोर्ट न केवल हिसार बल्कि आस-पास के जिलों के लिए भी एक बड़ी सौगात साबित होगा। हवाई सेवाओं के शुरू होने से क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन और निवेश को नई उड़ान मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दौरा हरियाणा के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी मंत्री रणबीर गंगवा, हांसी के विधायक विनोद भ्याना, नलवा के विधायक रणधीर पनिहार मौजूद रहे।

सीएम ने भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए: इसके उपरान्त मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हिसार के लघु सचिवालय में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन भी किया।

किसानों का एक-एक दाना खरीदेगी नायब सरकार : डॉ. अरविंद शर्मा

- हैफेड अधिकारियों को निर्देश, लेबर अतिरिक्त चार्ज न करें
- नवनियुक्त नगर पालिका चेयरमैन शमशेर लोहान को दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सरकार किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदना सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश में सबसे ज्यादा 24 फसलों पर एमएसपी दे रहा है, जिससे किसान भाइयों को लाभ हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को बदलते मौसम के चलते फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने रविवार को नई अनाज मंडी नारनौंद का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों और आढ़तियों से गेहूं खरीद प्रक्रिया को लेकर जानकारी ली। सन्दीप चेयरमैन के साथ-साथ आढ़तियों ने बताया कि मण्डी में फसल उठान कर रही लेबर उनसे अतिरिक्त चार्ज कर रही है, जबकि उनको ठेकेदार भुगतान करता है। इसपर सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने हैफेड के प्रबन्ध निदेशक मुकुल कुमार से फोन पर बात करते हुए निर्देश दिए कि ऐसी शिकायतों की जांच करवाई जाए।

इस दौरान किसानों व आढ़तियों से संवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा सभी मंडियों में खरीद के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसान की फसल का एक-एक दाना खरीदना सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार निरन्तर किसान कल्याण की दिशा में काम कर रही है।

किसान को गुणवत्ता बीज मिले और नकली बीज व कीटनाशक पर कार्रवाई हो, यह प्रदेश सरकार सुनिश्चित कर रही है। इस मौके पर नगर पालिका चेयरमैन शमशेर लोहान, अजय शर्मा, सतबीर, कुलदीप गौतम, आजाद सेक्रेटरी, मुनीश लोहान, ओमप्रकाश शर्मा आदि मौजूद रहे।

नारनौंद। नारनौंद अनाज मंडी में विभिन्न किसान व आढ़तियों से बातचीत करते मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में पारित प्रस्ताव

- प्रस्ताव राष्ट्रपति के नाम एसडीएम बरवाला को सौपा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

महाराजा शूरसेन सैनी वेलफेयर सोसाइटी बरवाला के पदाधिकारियों व सदस्यों ने एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा के समर्थन में एक प्रस्ताव पारित किया हैं। इसका उद्देश्य भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाना है।

एक राष्ट्र एक चुनाव का मुख्य उद्देश्य लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव को एक साथ आयोजित करना है ताकि समय संसाधन और प्रशासनिक खर्चों की बचत हो सके और देश के विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहे। महाराजा शूरसेन सैनी वेलफेयर सोसायटी बरवाला ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि पारित किए गए इस प्रस्ताव को राष्ट्रपति के नाम एसडीएम बरवाला को सौपा जायेगा।

प्रधान एडवोकेट दिनेश सैनी ने बताया कि बार-बार चुनाव करवाने में बाहरी प्रशासनिक खर्च और संसाधनों की बर्बादी होती है। एक साथ चुनाव से चुनावी खर्च में भारी कमी आएगी और सुरक्षा बलों, शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों को बार-बार चुनावी ड्यूटी से मुक्त किया जा सकेगा। पूर्व प्रधान प्रवीण सैनी ने बताया कि बार-बार लगने वाले आदर्श आचार संहिता के कारण विकास परियोजनाएं रुक जाती हैं। एक साथ चुनाव होने से यह बाधा दूर होगी और सरकार अपने विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। एक साथ चुनाव राजनीतिक अस्थिरता को कम करने में मदद करेगा, जिससे नीति निर्माण में स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण सुनिश्चित होगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रधान दिनेश सैनी, प्रवीण सैनी,अनूप सैनी, कुलदीप सैनी, परविंदर सैनी, राजू सैनी, महेंद्र सैनी, अमित सैनी, मुकेश सैनी, सतबीर सैनी व ओमप्रकाश सैनी समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बरवाला। महाराजा शूरसेन सैनी वेलफेयर सोसायटी बरवाला के पदाधिकारी व सदस्यगण एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा के समर्थन में। फोटो : हरिभूमि

नगर निगम वार्ड 16 वेलफेयर सोसायटी की कार्यकारिणी गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

पटेल नगर में वार्ड 16 के गणमान्य व्यक्तियों की बैठक हुई जिसमें विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सभी के सहयोग व सहमति से नगर निगम वार्ड 16 वेलफेयर सोसायटी का गठन कर कार्यकारिणी का चुनाव किया गया।

सभी की सहमति से विजय कुमार पहलवान को सोसायटी का प्रधान चुना गया तथा उन्हें शेष कार्यकारिणी के गठन का अधिकार दिया गया। प्रधान विजय कुमार पहलवान ने नगर निगम वार्ड-16 वेलफेयर सोसायटी की शेष कार्यकारिणी का गठन किया जिसमें राजकुमार गलगट को वरिष्ठ उपप्रधान, अनिल कुमार फौजी व नंद लाल नाहर को उपप्रधान, राजकुमार गंगवानी को महासचिव, देसराज मजोका को सचिव, डॉ. अशोक कुमार तंवर को सह सचिव, योगेश कुमार मुंडाही को प्रेस सचिव, अनिल गंगवानी को कार्यालय सचिव, सुनील कुमार मजोका कैशियर, राम प्रसाद मजोका ऑडिटर, प्रभु दयाल तंवर मुख्य सलाहकार, श्याम लाल मजोका व राम लुभाया खांबरा को सलाहकार नियुक्त किया गया।

विजय कुमार पहलवान प्रधान व राजकुमार गंगवानी महासचिव बने

प्रधान विजय कुमार पहलवान

महासचिव राजकुमार गंगवानी

व्हाट्सएप पर न्यूड वीडियो कॉल कर ब्लैकमेल करने वाले साइबर फ्रॉड से रहें सावधान: मीणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा है कि वर्तमान में साइबर अपराधियों ने लोगों को ठगने का नया तरीका निकाला है। इसके लिए साइबर अपराधी लड़कियों के नाम से व्हाट्सएप व फेसबुक पर दोस्ती करके चैट के माध्यम से वीडियो काल करके न्यूड वीडियो काल करके रिकार्ड करके झांसे में लेकर बाद में वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रुपयों की मांग करके रुपए ठगते है। इसलिए इस प्रकार के साइबर अपराधियों से बचकर रहें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सोशल मीडिया पर न्यूड वीडियो कॉल करके ब्लैकमेल करने वाले मामलों में फेसबुक इत्यादि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लड़कियों के नाम से वीडियो कॉल करके न्यूड फिल्म बनाकर पीड़ित को ब्लैकमेल किया जाता है। हकीकत में वो सब कुछ नकली नाटक होता है।

फेसबुक, इंस्टाग्राम, किसी (ऑनलाइन डेटिंग ऐप या फिर वॉट्सऐप पर अपने प्रोफाइल में फोटो लगाने वाली लड़की असल में साइबर फ्रॉड करने वाले व्यक्ति होते हैं। इस प्रकार का गैंग अलग-अलग लड़कियों की फोटो के जरिए अलग-अलग नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाकर युवकों से पहले डेटिंग ऐप या सोशल मीडिया पर दोस्ती करते हैं। इसके बाद रात में फेसबुक मैसेंजर य वॉट्सऐप पर वीडियो कॉल कर न्यूड वीडियो बना लेते हैं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दरअसल ये साइबर क्रिमिनल वीडियो कॉलिंग के दौरान मोबाइल फोन पर स्क्रीन रिकॉर्ड ऑन कर रिकॉर्डिंग कर लेते हैं। इसके बाद बैकग्राउंड में पहले से बनाई लड़की के न्यूड होने की वीडियो प्ले कर देते हैं। और फिर बाद में इसी वीडियो को फेसबुक फ्रेंड्स और रिश्तेदारों को भेजने की धमकी देकर ब्लैकमेल करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के फ्रॉड से बचने के लिए अपने सोशल मीडिया अकाउंट के प्रोफाइल को हमेशा लॉक रखें। तथा अपने फेसबुक प्रोफाइल पर प्राइवेसी सेटिंग करके रखें। अंजान नम्बरों से आई वीडियो कॉल को रिसीव ना करें। अगर कॉल रिसीव कर ली गई है तो मोबाइल का कैमरा फ्रंट की वजह रियल मोड़ पर कर दे या अपने फेस को दूर रखें।

अगर इन सब के बावजूद भी आपकी वीडियो यूट्यूब पर अपलोड कर दी गई है तो उसे रिपोर्ट कर दें ऐसा करने पर यूट्यूब उस वीडियो को यूट्यूब से हटा देगी। अगर आपके साथ इस प्रकार का फ्रॉड हो जाता है तो बेझिझक साइबर क्राइम थाना या नजदीकी पुलिस थाना में जाकर थाना में स्थापित साइबर डेस्क व नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवा सकते है। इसके अलावा राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर डायल कर अपनी शिकायत रजिस्टर्ड करा सकते हैं।

सत्संग हांसी में भिवानी रोड स्थित राधास्वामी आश्रम में बैसाखी सत्संग आयोजित

सतगुरु के चरणों में बैठकर परमात्मा के गुणों का बखान करने से मिलता सत्संग का पूर्ण लाभ: कंवर जी महाराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

सत्संग का पूर्ण लाभ संत सतगुरु के चरणों में बैठकर परमात्मा के गुणों का बखान करने से ही मिलता है। बाहरी सफाई तो हम थोड़े से जतन से ही कर लेते हैं परंतु अंतर की सफाई के लिए विशेष जतन करना पड़ता है।

यह सत्संग वचन बैसाखी के अवसर पर परमसंत सतगुरु कंवर जी महाराज ने हांसी में भिवानी रोड स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाए। कंवर जी महाराज ने उपस्थित संगत को बैसाखी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सबसे पहले आप अच्छे गुणों को अपनाओ। मन की शुद्धता पर बल दो। मन की शुद्धता हमारे बाह्य आचरण से प्रकट होती है क्योंकि बाहरी आचरण वैसा ही होगा जैसा हमारा अंतर्मन होगा। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे भाव शुद्ध नहीं हैं तब तक हम परमात्मा के समीप नहीं जा सकते। आज के समय में विषयों को ही विष कहा गया है। अगर जीना चाहते हो तो विषयों से बचो।

हांसी। भिवानी रोड स्थित राधा स्वामी आश्रम में सत्संग फरमाते परम संत कंवर जी महाराज।

सतगुरु परमात्मा का ही रूप

गुरु महाराज ने कहा कि यह रूह अपने पिता से बिछुड़ी है। परमात्मा की विरह इसको बेचैन रखती है और इसी बेचैनी का लाभ काल और माया उठाते हैं। जो काल और माया के फेर में नहीं आते वो अपने विरह को परमात्मा की खोज से ही शांत करते हैं। सतगुरु परमात्मा का ही रूप हैं इसलिए रूह की विरह सत्संग से ही शांत हो सकती है। हुजूर ने फरमाया कि आज समाज में अनेकों कुरीतियों ने जड़ जमा ली है। चरित्र के मामले में नशे विषयों के संदर्भ में और दूसरे लोभ लालच में इंसान दिन ब दिन गिरता जा रहा है। ऐसे में इंसान को रास्ता तो वो अपनाना चाहिए जिस पर चलकर वह इन गफलत से निकल सके, परंतु इंसान चुनता भी वही रास्ता है जो इस दलदल में उसे और उलझाता है। सत्संग हर व्याधि की इलाज है। किसी पूर्ण संत का सत्संग आपको पथभ्रष्ट होने से बचाता है। उन्होंने कहा कि इतने सत्संग कथाएं हो रही हैं। इतने समाज सुधारक प्रयास कर रहे हैं फिर भी समाज उन्नत नहीं हो रहा, इसका कारण क्या है। इसका कारण है हमारा दूषित आपा।

कलयुग में इंसान की उम्र बहुत कम

कंवर महाराज ने बताया कि कलयुग में इंसान की उम्र बहुत कम है और इंसान की सहनशीलता और इच्छा शक्ति भी घटी है इसलिए संतों में इस युग में भक्ति का सरल सहज रास्ता सुझाया। यह रास्ता है नाम भक्ति का रास्ता। कंवर महाराज ने फरमाया कि गुरुमुख बनो। गुरुमुख्ता का अर्थ है अपने मन के कहे में नहीं चलना बल्कि गुरु के कहे में चलना। अपने आचरण से गुरु की प्रशंसा करवाओ। आचरण तभी शुद्ध होगा जब मन, वचन और कर्म से आप पाक साफ हो जाओगे। अपने आप को सेवक मानो तभी गुरमुख बन पाओगे। राधास्वामी मत के दूसरे गुरु राय शालिग्राम जी सच्चे गुरुमुख थे।

मित्रता की सच्ची परीक्षा संकट में नहीं, उत्कर्ष में होती है। जो मित्र के उत्कर्ष को बर्दाश्त कर सके, वही सच्चा मित्र होता है।
- हरिशंकर परसाई

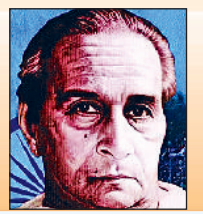

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।' 'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

अपने देश में

कहानी
आशा खत्री 'लता'

बाहर खिड़की से झांकते हुए अपने देश की शस्य- श्यामला धरती पर उगे हरे-भरे जंगलों, पहाड़ों को देखकर पिछले बहत्तर घण्टों में पहली बार उसके दिल को सुकून और मुख पर मुस्कान आयी थी। धरती पर तने नीलाम्बर को देख यूँ प्रतीत हो रहा था जैसे वह धरती का प्रहरी बन अड़ा खड़ा है। उसे लगा धरती, उस पर उगे पेड़-पौधे, आकाश और उसमें तैरते बादल, कभी पेड़ों के पत्तों और कभी बादलों के झुरमुट को उड़ाती पवन सबका आपस में गहरा रिश्ता है। सबका सुख-दुःख साझा है। दुःख, दर्द, पीड़ा, खुशी में सब एकत्रित होकर दुःखी को घेरकर ढाँढस बंधाते हैं, उसके दर्द को आत्मसात कर घटा देते हैं, बाँट लेते हैं।

विमान रनवे पर उतरने लगा था, उसे लगा कि पिछले 72 घण्टे से जिस दर्द के जाल में फँसकर वह फड़फड़ा रहा था, अब वह उसकी पकड़ से बाहर आ रहा है। माँ का हाथ थामे वह जैसे ही आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बाहर आया, उसे कई परिचित चेहरे दिखाई देने लगे। जिन्हें देख माँ के मुँह से एकाएक शब्द फूटे-

'देख हेमंत।'

'हाँ माँ देख रहा हूँ, कृष्ण चाचा, शमशेर मामा, रोहित और अभिनव को।'

'हाँ' होंठ खुलने के साथ ही माँ की आंखें भर आई। हेमंत जिसे घर में सब प्यार से हनी कहते हैं अनुभव कर रहा था कि माँ तो जैसे इन तीन दिनों में ही पचपन की यंग लेडी बहत्तर की बुढ़िया हो गयी है। पापा हमेशा माँ को यंग लेडी ही तो कहा करते थे। क्योंकि वे थी ही ऐसी, बिलकुल लड़कियों-सी। आज वही हँसती-मुस्कुराती, ऊर्जा से ओत-प्रोत यंग लेडी 72 घण्टों में ही जैसे दुःख, दर्द उदासी की प्रतिमूर्ति बन गयी हैं। इन्हीं विचारों में डूबा वह सामने खड़े रिश्तेदारों तक पहुंचा तो देखा कि मामा ने तेज कदमों से आगे बढ़कर अपनी बहन को बाहों में भर लिया। उसे भी चाचा ने जिस अपनेपन से आलिंगन में लिया, वह अपनत्व की अनुभूतियों का चरम बिन्दु था।

'क्या हुआ तेरा पापा जो चला गया, मैं हूँ ना, तुझे कभी उसकी कमी अनुभव नहीं होने दूँगा।' कृष्ण चाचा ने सरगोशी की।

'जी चाचा जी, मैं समझता हूँ आपकी भावनाओं को, आपके स्नेह को।' उसने भर्राए स्वर में कहा।

'देख हनी, वह मेरा भाई था, तू उसके जिगर का टुकड़ा था तो हम दोनों भी एक ही जिगर के टुकड़े थे, एक माँ का दूध पिया, एक माँ के पेट से जन्म लिया। वह तो भाई की विदेश जाने की जिद थी वरना हम कभी अलग नहीं रहे। उसके चले जाने का दुःख मुझे मार डाल रहा है। परन्तु मैं उसको तुझमें देख रहा हूँ और तू भी उसको मुझमें अनुभव करना बेटे।' कहते हुए शमशेर चाचा की रुलाई फूट पड़ी।

माँ मामा से लिपटकर बिलख पड़ी थी। जैसे किसी नीर से लबालब भरी नदी पर बंधा बांध टूट गया हो।

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।'

'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

'मेरे घर की खुशियों को मेरी ही नजर लग गयी भाई। पहले दिन ही तो मैंने कहा था कि भगवान ने हमें सब कुछ दे दिया। अब हमें और क्या चाहिए। भगवान ने ऐसा क्यों किया भाई, भगवान ने उन्हें इतनी जल्दी क्यों बुला लिया?'

'चुप हो जा मेरी बहन, भगवान ने जिसकी जितनी साँसें लिखी हैं हम न उनसे एक अधिक ले सकते हैं न कम।'

आते-जाते लोग हमें देख रहे थे। हम अभी उनसे बेखबर थे। अतः इसकी ओर ध्यान दिलाते दोनों चचेरे भाइयों ने हमें सहारा देते हुए गाड़ी में बैठाया। सामान वे पहले ही रखवा चुके थे।

गाड़ी में बैठने के बाद भी मम्मी, मामा से रोते-रोते बातें करती रही। उनकी रुलाई उनके रोकने के प्रयास के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रही थी। मैं जो पिछले तीन दिनों के घटनाक्रम पर माँ की चुप्पी को उनकी बहादुरी समझ रहा था। अब देख रहा था उनके बिखर जाने को। शायद यह अपनों के साथ का असर था। वहाँ हम अकेले थे। पापा ने उस दिन शाम को छाती में दर्द अनुभव किया तो हमने कहा चलो आपको डॉक्टर के पास ले चलते हैं।

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था। मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

'नहीं, हनी अब तो अपने देश जाकर ही दिखाऊंगा।' अपने देश लौटने के उनके उत्साह के आगे हम सब बार-बार आग्रह करके भी मौन साधने को विवश हो गए। अब सोचता हूँ यह मौन हमें कितना भारी पड़ा? काश! हम पापा के उत्साह के आगे हथियार नहीं डालते। रात को ही पापा छाती में मामूली से दर्द के बाद हम सबको छोड़कर चले गए। एकाएक जो हुआ उसे देख हमारे हाथ-पाँव फूल गए। इस सबके बावजूद माँ ने हिम्मत दिखाते हुए कोमल को नन्हें कुशल के साथ कमरे में ही रहने का आदेश दे दिया।

मुझे एकाएक बुआ के बेटे सचिन का ध्यान आया जो हमसे पन्द्रह मिनट की दूरी पर ही रहता था। वही अमेरिका में हमारा एकमात्र अपना, दोस्त, खैरख्वाह था। उसे सूचना दी तो वह आधे घण्टे में ही हमारे पास पहुँच गया। परन्तु वह भी वहाँ इस तरह की स्थिति से कभी न गुजरा था। हम सब बहुत ही असहाय अनुभव कर रहे थे। मैं और माँ कभी पापा को छूते, कभी उनसे लिपटते और ईश्वर से बारम्बार प्रार्थना करते कि काश! वे अब भी पापा की सांसें लौटा दें, काश! वे अब भी उठ बैठें।

अपना देश तो सात-समंदर पार था और हम नहीं जानते थे कि इस अनजानी जगह पर हम पापा की पार्थिव देह का अंतिम संस्कार कैसे और कहाँ करें। आज यह सुन्दर और आकर्षक मुल्क हमारे लिए नितान्त अजनबी हो गया था।

इस बीच सचिन ने अपने एक दोस्त के माध्यम से एक पण्डित का पता लगा लिया, जिनसे संपर्क कर हमें आगे की कार्रवाई और पापा के संस्कार के लिए मार्गदर्शन और सहयोग मिला। उनके प्रयासों से जैसे-तैसे अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। अगले ही दिन हम तय कार्यक्रम के अनुसार भारत के लिए चल पड़े। यह भी किसी ईश्वरीय शक्ति की कृपा मैंने हम पर अनुभव की कि हमारी टिकटें पहले से बुक थी।

इस दौरान हमने जो अकेलापन अनुभव किया, वह हम माँ बेटों के लिए जीवन का सबसे कटु अनुभव था, जिसमें हमने अपनों के साथ होने की आवश्यकता को हर पल शिद्दत से महसूस किया। यही तड़प निरन्तर मन को कचोटती रही कि काश! कोई अपना आकर गले से लगा ले तो हम जी भरकर रो लें। परन्तु वहाँ ऐसा कोई न था जो हमारे इस घोर दुःख में मन का साथी बनता। यहाँ अब जब अपनों ने गले लगाया तो उनके आलिंगन की ऊष्मा ने दिलों में जमे दर्द के पत्थर को पिघला दिया। आँखें रास्ता बन गयी और वह वेग से बाहर बहने लगा।

एक घण्टे का सफर तय कर बोलते-बतियाते, उन अथाह दुखों के पलों को अपनों से साझा करते हम दोनों की हालत पहले से कुछ-कुछ ठीक हो चुकी थी। गाँव में प्रवेश किया तो लोग रुक-रुक कर, एक तरफ होकर गाड़ी को रास्ता देने लगे। उनके व्यवहार में सम्मान और अपनत्व की झलक थी जैसे सारे गाँव को पता हो कि महेश को खोकर उसके बालक गाँव लौटे हैं।

अपनी गली में मुड़े तो पूरी गली लोगों से भरी हुई थी। यहाँ भी लोगों ने बड़े स्नेह से हमारी गाड़ी को रास्ता दिया। घर के सामने पहुँचकर तो घर-कुनबे और रिश्तेदारों ने हमें घेर लिया। बुआ चाची, मौसी, भाभी, चचेरे, ममेरे, फुफेरे जैसे सब रिश्तेदार हमारा दुख बाँट लेने को आतुर थे।

बड़ी बुआ से माँ का सदैव से गहरा स्नेह रहा है उनसे लिपटकर तो माँ बिलख ही पड़ी 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी'

ऐसे द्रवित कर देने वाले उद्गारों से बुआ भी अपना धैर्य खो रही थी

'कहाँ छोड़ आई विमल मेरे भाई को, मेरे महेश को।'

'तू तो शांति रख यशवंती, इसे सम्भाल। ले पानी पी और अपनी भाभी को पिला। देख क्या हाल हो गया है इन माँ-बेटों का।' पिता की चाची ने दोनों को समझाते हुए कहा।

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था।

मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

उधर, आज विमला को यह पानी भी अमृत लग रहा था। वह भी यही मन बना रही थी कि अब वे यही रहेंगे अपने देश में, अपनों के बीच।

लघुकथा
शकुंतला अग्रवाल शकुन

भिखारी

सुरेन्द्र जी ने अपने बेटे (पियूष) की पढ़ाई-लिखाई करवाने में कोई कसर नहीं रखी थी वैसे ही बेटे ने भी मेहनत से कभी जी नहीं चुराया था। नतीजन वह सॉफ्टवेयर इन्जीनियर बन कर बैंगलौर में सेटल हो गया। कुछ दिनों बाद ही अपनी सहकर्मी से शादी भी कर ली। अपना जीवन अपनी मर्जी से जीता है, माता-पिता की कभी खैर-खबर भी नहीं लेता। माता-पिता कभी कहते कि बेटा! कुछ दिनों के लिए हमारे पास भी आ जाओ तो समयाभाव की बोल कर इतिश्री कर लेता।

आखिरकार माता-पिता ने आपसी सहमती से अपनी सारी जमापूँजी वृद्धाश्रम को दान करने का मानस बनाकर, वहीं रहने भी लगे।

जब इस बात का बेटे को पता लगा तब तुरंत चला आया, आकर पिता से बोला-

'आपकी जमापूँजी पर केवल मेरा अधिकार है, वह मुझे ही मिलनी चाहिए।'

तब पिता बोले- कौनसा अधिकार? जिसको कर्तव्य याद नहीं ,उसके द्वारा अधिकारों की माँग करना, ऐसे लगता है जैसे द्वार पर कोई भिखारी खड़ा हो।

गजल
किरण यादव

वो तो इक दीवाना है
उसको क्या समझाना है

कुछ खोना, कुछ पाना है
जग का ताना - बाना है

ये दुनिया कुछ और नहीं
एक मुसाफ़िरख़ाना है

राजा, रंक, गृहस्थ, फ़क़ीर
इक दिन सबको जाना है

अपनी तो क़िस्मत में ही
हर दिन धोखा खाना है

चांदनी केशरवानी सुगंधा

दिव्य प्रेम की धारा

अंतस में बहती जिसके बस, दिव्य प्रेम की धारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

कृष्ण साधना पूरी तब ही,जब राधे का गान हुआ।
प्रेम-दिवानी मीरा के हित,विष भी अमृत पान हुआ।
मन-नौका को प्रेम-सिंधु के, जिसने बीच उतारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

राधे के बिन सदा अधूरे,सबको ही घनश्याम दिखे।
सीता ने जब दर्पण देखा, तब तब ख़ुद में राम दिखे।
शबरी जैसे प्रबल प्रेम का ,जिसने लिया सहारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

वैदेही का त्याग-समर्पण, राम-कथा का सार बना।
सच्चाई ने छल को जीता, दीवाली त्योहार बना।
पावन प्रणय-भाव से चमके जिसका हृदय सितारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

पं. कमलकांत भारद्वाज

वक़्त ख़राब चल रहा था महंगी घड़ी ख़रीद ली
मुझे दोस्ती के लायक़ ना समझा और महोब्बत ख़रीद ली

मैं इतना परेशान हो चुका था ज़िंदगी में
सब कुछ बेच दिया और ज़हर की शीशी ख़रीद ली

मेरी नज़रों में अब गिर चुके है वो लोग
जिसने ईमान बेच दिया और सियासत ख़रीद ली

हमें अब डर नहीं लगता किसी का जनाब
हम वो हैं जिसने कफ़न बेच दिया और मौत ख़रीद ली

तवायफ़ से रूबरू हुए थे हम एक बार
पता चला कि उसने जिस्म बेच दिया और रूह ख़रीद ली

इतना रोए हैं एक शख़्स की याद में 'कमल'
नींद चैन सब बेच दिया और उसकी यादें ख़रीद ली।

राज ख्यालिया

विकास या विनाश

हरी-भरी थी धरती अपनी, पेड़ों से थी इसकी शान,
अब मशीनें चलने लगीं, कट रहे हैं सबके प्राण।

जंगल की छाँव थी जहाँ, थे पंछियों के मीठे बोल,
अब वहाँ बस शोर है, धूल और है बस कोलाहल।

भालू, हिरण, हाथी, गिलहरी सब कहाँ जाएँ?
घर उजाड़ कर उनका, हम क्या ही ऐसे पाएंगे

आईटी पार्क बनेगा, ऊँची इमारतें होंगी खड़ी,
पर किस कीमत पर? क्यों धरा पर ये ग़लती बड़ी?

कहो ये कैसा विकास है, जिसमें जीवन ही मिटे?
कैसी ये रौशनी कैसा उजाला जब साया भी कटे?

संभल जा ए खुदगर्ज इंसान, अब भी समय है,
जंगल के संग खुद को बचा यही असली विजय है।

साहित्यकार एवं कवि डा. अशोक अत्री का इस आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौती को लेकर कहना है कि आज खासतौर से हरियाणवी साहित्य बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस बात की आवश्यकता है कि साहित्य में गहन अध्ययन मनन करने से ही समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करने पर फोकस होना चाहिए, ताकि समाज में तेजी से उभरती कुरीतियों को दूर करने में मदद मिल सके।

साक्षात्कार
ओ.पी पाल

समाजहित में साहित्यिक अध्ययन का खास महत्व : डा. अशोक अत्री

साहित्य के क्षेत्र में गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे लेखक समाज को नई दिशा देने के मकसद से अपने रचना संसार को दिशा दे रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शिक्षाविद् डा. अशोक कुमार अत्री भी अपनी लेखनी से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों के अलावा प्रकृति, पर्यावरण और सभ्यता तथा रीति-रिवाजों को अपनी रचनाओं में समाहित करके संस्कृति के संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। एक शिक्षक के रूप में वे कॉलेज में सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए युवा पीढ़ी को साहित्य से जुड़े रहने सीख देकर उन्हें विशेष रूप से हरियाणवी संस्कृति के देश विदेशों में बढ़ते प्रचार एवं प्रभाव का मौका दे रहे हैं।

हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डा. अशोक कुमार अत्री ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें साहित्य समाज को सकारात्मक संदेश देने में सक्षम है। हरियाणा के कैथल स्थित आरकेएसडी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर डा. अशोक कुमार अत्री का जन्म 09 जनवरी 1974 को जींद जिले के गांव ऐचरा खुर्द में मामन राम व शांति देवी के घर में हुआ। उनका यह गांव साहित्यिक चेतना के स्थल के रूप में समृद्ध एवं प्रसिद्ध रहा है। अशोक के दादा पं ज्ञानीराम क्षेत्र के प्रसिद्ध गायक रहे हैं, तो उनकी दादी भी लोक सत्संग में लीन रहती थी। उनके पिता पं मामनराम एवं चाचा पं राजेंद्र शास्त्री रामलीला के मंजे हुए कलाकार रहे हैं। मसलन उनके परिवार में साहित्य और सांस्कृतिक माहौल रहा है लेकिन उनका साहित्यिक सफर बहुत बाद में शुरू हुआ यानी शिक्षण कार्य में आने के बाद ही उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि उन्हें लेखन करना चाहिए।

उनका पहला कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' जिसमें उनके जीवन संघर्ष से जुडी यादें समाहित है और इसकी थीम कविता 'वो दिन' एक लम्बी कविता है। इस संग्रह में जीवन के विभिन्न आयामों से सम्बंधित कविताएं शामिल हैं। विशेष रूप से हरियाणावी संस्कृति एवं उसके विभिन्न पक्षों को भी इसमें समायोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि जब उनके चचेरे भाई आनंद को उनके द्वारा लेखन करने का पता लगा, तो उन्होंने अपना पब्लिकेशन शुरू किया एवं उनके कविता संग्रह की हजारों प्रतियाँ छाप दी। उन्होंने गांव का तालाब कविता का जिक्र करते हुए बताया कि ग्रामीण समाज में तालाब गांव की जीवन रेखा होते थे, कपडे धोना, नहाना, पशुओं को नहलाना, महिलाओं के द्वारा रीति रिवाज़ सभी इससे जुड़े होते थे, लेकिन अब ये ऊझाड, बेजान पड़े हैं, कब्जाग्रस्त हैं इसलिए यह मुद्दा भी सामाजिक सरोकार से जुड़ा है। इसी प्रकार बदलते परिवेश में सामाजिक और तीज त्यौहार व रीति रिवाज की चर्चा को लेकर भी उनके लेखन का फोकस रहा है। मसलन महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' एक और अन्य महत्वपूर्ण रचना में उन्होंने समकालीन समय में गांधी के आदर्शों के प्रति जनता की उदासीनता को उजागर किया है। इसके अलावा प्रकृति से जुड़ी कविताओं में पर्यावरण की समस्या को उठाया गया है। वहीं समाज की सजगता के लिए पति-पत्नी सम्बन्धों, नौजवानों और बच्चों पर भी उन्होंने कविताएं लिखी हैं। जीवन में उतार चढ़ाव आना भी स्वाभाविक है और उनके सामने भी स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याएं उभरी और घबराहट से बचने का अलग तरीका ढूंढने लगा। कविता लेखन के साथ कहानी भी लिखना शुरू किया, तो राहत मिली। इसके बाद उनका कहानी संग्रह 'फिर सुबह' और उसके बाद कविता संग्रह 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर' प्रकाशित हुआ।

उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं, एक शिक्षक के रूप में महाविद्यालय में आज भी उनके पास सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी हैं, जिसमें महाविद्यालय राज्यस्तरीय रत्नावली कार्यक्रम का विजेता होने के कारण वह हरियाणवी संस्कृति पर ज्यादा जोर देते आ रहे हैं। नई पीढ़ी को वे विशेषरूप से सांग, रिचवल, चौपाल, नृत्य को विशेष तवज्जो एवं फुलझड़ी एवं बिंदरवाल बनाना जैसी विधाएं सिखा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. अशोक कुमार अत्री की प्रकाशित प्रमुख पुस्तकों में कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' और 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर', कहानी संग्रह 'फिर सुबह' के अलावा पुस्तक 'भारत एवं मध्य एशिया के गणराज्य' हैं। जबकि उनकी दो कृति यानी रचना 'ये कौन छायाकार है' और एवं 'यात्रा वृत्तांत' प्रकाशनाधीन है। उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं उनकी महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' भी सुर्खियों में रही है।

डा. अशोक कुमार अत्री

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार डा. अशोक अत्री को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनकी पुस्तक के लिए प्रकाशन प्रोत्साहन के लिए नकद राशि दी है, तो वहीं उन्हें साहित्य सभा कैथल से बीबी भारद्वाज समृति सम्मान, हरियाणा संस्कृत अकादमी से प्रशस्ति पत्र, अग्रवाल सभा कैथल से साहित्य सम्मान, डीएवी महाविद्यालय करनाल से सांग विधा के प्रचार प्रसार के लिए सम्मान जैसे अनेक पुरस्कार व सम्मान से नवाजा गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. अशोक कुमार अत्री
जन्मतिथि : 09 जनवरी 1974
जन्म स्थान : गांव ऐंचरा खूर्द, जींद (हरियाणा)
शिक्षा : बी.ए, बी.एड. एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
संप्रति : असिस्टेंट प्रोफेसर(राजनीतिक शास्त्र), लेखक, साहित्यकार

संस्कृति व आस्था का प्रतिबिंब 'श्री श्याम महिमा'

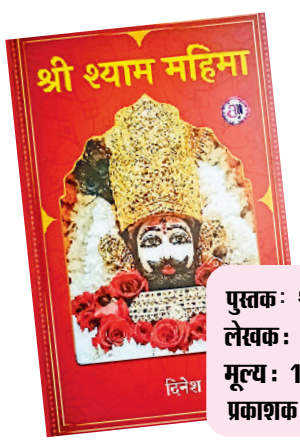

पुस्तक : श्री श्याम महिमा
लेखक : दिनेश शर्मा 'दिनेश'
मूल्य : 160 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा
ललित शर्मा

श्री श्याम महिमा दिनेश शर्मा 'दिनेश' द्वारा लिखित एक उत्कृष्ट पुस्तक है जो भारतीय संस्कृति, सभ्यता और धार्मिक आस्थाओं का संपूर्ण परिचय प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में न केवल भारत की धार्मिक धरोहरों का विस्तार से वर्णन किया गया है, बल्कि श्री श्याम के आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। अपनी गहन अध्ययनशीलता और संवेदनशीलता के साथ लेखक ने इस कृति को तैयार किया है, जो न केवल भक्तों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि सामान्य पाठकों के लिए भी उपयोगी है। पुस्तक में कुल छह खंड हैं, जो विभिन्न पहलुओं पर आधारित हैं।

भारत एक परिचय - इस खंड में लेखक ने भारत की भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की है। यह खंड भारत की विविधता, उसकी एकता और समृद्ध इतिहास का संक्षिप्त विवरण देता है।

सभ्यता संस्कृति और भारत - इस खंड में लेखक ने भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और उसके मूल्यों पर विचार किया है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, जिसमें विविध संस्कृतियों और धर्मों का समावेश है, का प्रभावी चित्रण किया गया है।

भारत के पवित्र तीर्थ एवं धाम - यह खंड विशेष रूप से तीर्थों और भारत के पवित्र स्थलों पर केंद्रित है। यहाँ लेखक ने भारत के विभिन्न तीर्थस्थलों की पवित्रता और उनके धार्मिक महत्व का वर्णन किया है। पुस्तक का यह हिस्सा पाठकों को भारत के धामों की यात्रा करवाता है।

ऐतिहासिक संदर्भों में श्री श्याम - इस खंड में श्री श्याम जी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला है। ऐतिहासिक स्रोतों और ग्रंथों के माध्यम से श्री श्याम जी के अस्तित्व और उनके योगदान का विवेचन किया गया है।

लौकिक संदर्भों में श्री श्याम - इसमें लेखक ने श्री श्याम जी के लौकिक जीवन, उनके विचारों और कर्मों के प्रति समाज में फैले विश्वास का वर्णन किया गया है।

सुप्रसिद्ध श्री श्याम तीर्थ - यह खंड विशेषकर हरियाणा के श्री श्याम के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों पर केंद्रित है। लेखक ने उन स्थलों का विशेष विवरण दिया है।

कुल मिलाकर, यह पुस्तक भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं को समझने के लिए एक आदर्श कृति है। यह पुस्तक निश्चित रूप से उन सभी पाठकों के लिए लाभकारी होगी जो भारतीय धार्मिक परंपराओं और श्री श्याम जी के आध्यात्मिक महत्व को गहराई से समझना चाहते हैं। लेखक दिनेश शर्मा को उनके इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

हिसार। श्याम मंदिर में पहुंचे श्रद्धालु।

खाटू के बाबा श्याम जी मेरी राखोगे लाज

हिसार। श्री श्याम मंदिर सैक्टर 16-17 में भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन कलाकारों ने श्याम प्रभु का गुणगान करते हुए शमां बांध दिया। कभी ना कभी मेरा श्याम सलोन आएगा, सांवरी सूरत पे मोहन दिल दीवाना हो गया सलोन आएगा, खाटु वाले बाबा तेरा सच्चा दरबार है, खाटू के बाबा श्याम जी मेरी रखोगे लाज भजनो पर श्रदालुओ को झूमने पर मजबूर कर दिया। संध्या आरती पश्चात भोग प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर मंदिर कमेटी के प्रधान विनोद अग्रवाल, रमेश मित्तल, राजकुमार जैन, त्रिलोक बंसल, अजय जैन, दीपक मित्तल, सतीश बंसल सहित बड़ी संख्या में श्रदालु मौजूद रहे।

मंडियों में फसलों के भीगने से बचाने के कोई प्रबंध नहीं

हिसार। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने कहा है कि सरकार की गलत नीतियों के कारण किसान की गेहूं व सरसों हजारों क्विंटल

बारिश में भीगने के कारण खराब हो गई है। मौसम विभाग द्वारा अलर्ट करने के बावजूद भी सरकार की तरफ से अनाज बारिश में ना भीगे उसके लिए कोई प्रबंध नहीं किया।

बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को बारिश व नमी के मौसम को देखते हुए गेंहू व सरसों की सरकारी खरीद में चार प्रतिशत ओर ज्यादा नमी में छूट देनी चाहिए। गेहूं उठान के लिए अभी तक आढ़तियों के पास सरकार ने बारदाना तक नही दिया है और कई अनाज मंडियों में तो आज तक गेहूं उठाने के टैंडर तक नहीं हुए है जबकि गेहूं की सरकारी खरीद एक अप्रैल से शुरु हो चुकी है।

सरकार मीडिया कर्मियों के हितों के प्रति पूर्णतः सजग

हिसार। हरियाणा सरकार मीडिया कर्मियों के हितों के प्रति पूर्णतः सजग है और उनके हित में अनेक कदम उठाए हैं। भविष्य में भी

मीडिया कर्मियों की मांगों व समस्याओं को दूर करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। यह बात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मीडिया कोर्डिनेटर अशोक छाबड़ा ने रविवार को हिसार में मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कही। इस अवसर मीडिया से जुड़े अलग-अलग संगठनों ने उन्हें मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर अपनी-अपनी मांगे व समस्याएं रखी। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी मांगों व समस्याओं को मुख्यमंत्री तक पहुंचाकर उनका समाधान करवाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने मीडिया कर्मियों को हिसार हवाई अड्डे के उद्घाटन समारोह का निमंत्रण दिया।

ओशो ध्यान उपवन में आयोजित महासत्संग में ओंकार की दिव्यता पर हुआ गहन चिंतन

ओम केवल एक ध्वनि नहीं बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड की आत्मा : स्वामी शैलेंद्र सरस्वती

- ओशो के छोटे भाई स्वामी शैलेंद्र ने महासत्संग के माध्यम से ओम की दिव्य ध्वनि व उसके आध्यात्मिक महत्व से करवाया परिचय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में महासत्संग करते ओशो के छोटे भाई स्वामी शैलेंद्र सरस्वती व मां अमृत प्रिया व महासत्संग में उपस्थित साधकगण। फोटो : हरिभूमि

ओशो ध्यान उपवन में चल रहे तीन दिवसीय ध्यान शिविर का समापन एक ओंकार सतनाम महासत्संग के साथ हुआ। सतगुरु ओशो के छोटे भाई स्वामी शैलेंद्र सरस्वती ने महासत्संग के माध्यम से ओम की दिव्य ध्वनि व उसके आध्यात्मिक महत्व से परिचय करवाया। उन्होंने प्रवचनों में बताया कि ओशो की 125 से अधिक पुस्तकों के शीर्षक ओम की ओर संकेत करते हैं। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित किए गए तीन दिवसीय ध्यान शिविर व महासत्संग में देशभर से सैकड़ों साधकों ने हिस्सा लिया। शिविर में स्वामी चंद्रशेखर, स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों को ध्यान की विधियों का महत्व समझाते हुए उनका अभ्यास करवाया। शिविर के अंतिम दिन आयोजित किए गए महासत्संग में भी साधकों की भीड़ का कोई पारावार नहीं रहा। महासत्संग के लिए विशेष रूप से पधारे ओशो अनुज स्वामी शैलेंद्र सरस्वती व मां अमृत प्रिया का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर स्वामी शैलेंद्र व मां अमृत प्रिया से आशीर्वाद व माला दीक्षा प्राप्त करके साधक अभिभूत दिखाई दिए। महासत्संग के दौरान स्वामी शैलेंद्र सरस्वती ने कहा कि ओम केवल एक ध्वनि नहीं बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड की आत्मा है। यह वही अनहद नाद है जो सृष्टि की उत्पत्ति के साथ प्रकट हुआ और अनंत तक रहेगा। इसका उच्चारण साधक को शांति, स्थिरता और जीवन में एक नई दिशा प्रदान करता है। उन्होंने गुरु नानक देव जी द्वारा रचित जपुजी साहिब और ओशो के प्रवचनों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जिसमें एक ओंकार सतनाम की व्याख्या करते हुए ओम को जीवन का मूल एवं साधना का परम लक्ष्य भी बताया गया है। महासत्संग में ओशो फ्रेगरेंस की संस्थापक मां अमृत प्रिया ने ध्यान में ओम के प्रयोग की व्याख्या करते हुए कहा कि ओम का जाप साधक को अपनी आत्मा से जोड़ता है और परमात्मा की ओर यात्रा को सरल बनाता है। इसका कंपन मन को शुद्ध करता है, ध्यान को गहरा करता है और आत्मा को स्थिरता प्रदान करता है। महासत्संग के दौरान आचार्य चंद्रशेखर ने कहा कि ओम की ध्वनि जीवन के सृजन, पालन और संहार तीनों अवस्थाओं को समाहित करती है। ओम का उच्चारण करते ही एक विशेष प्रकार की ऊर्जा उत्पन्न होती है जो तन, मन और आत्मा को प्रभावित करती है। इस अवसर पर स्वामी संजय ने बताया कि आज का आधुनिक विज्ञान भी ओम की शक्ति को प्रमाणित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि ओम का जाप मस्तिष्क में अल्फा वेव्स उत्पन्न करता है जिससे मानसिक एकाग्रता से शांति की अनुभूति होती है और तनाव में कमी आती है। उन्होंने बताया कि नियमित ओम जप से रक्तचाप नियंत्रित होता है और ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है। इसके साथ ही शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मां सांची ने उपनिषदों, भगवदगीता और शिवपुराण से ओम की महिमा को उदाहरण सहित प्रस्तुत किया। उन्होंने धर्मग्रंथों का उल्लेख करते हुए कहा कि ओम ही संपूर्ण ब्रह्मांड है।

ओशो साहित्य की प्रदर्शनी साधकों का आई पसंद

गुरु नानक देव जी के जपुजी साहिब पर सतगुरु ओशो ने एक ओंकार सतनाम प्रवचनमाला की रचना की। इसी पर आधारित तीन दिवसीय ध्यान शिविर व महासत्संग का आयोजन किया गया। ओशो ने स्पष्ट किया है कि एक ओंकार अपने भीतर झांकने, आत्मज्ञान पाने और परम सत्य से जुड़ने की विधि है।

हिसार। स्वामी सत्यानन्द जी महाराज श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए। फोटो : हरिभूमि

पवित्र जीवन के लिए पवित्र व्यवहार करने होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

- गोयंका सेवा सदन देवी भवन प्रांगण में विराट संत समागम जारी

अखिल भारतीय सोहम महामंडल शाखा हिसार के तत्त्वावधान में स्थानीय गोयंका सेवा सदन देवी भवन के नए प्रांगण में प्रारंभ हुए संत सम्मेलन में महामंडलेश्वर श्री स्वामी विवेकानंद जी महाराज के कृपापात्र सोहं पीठाधीश्वर श्री स्वामी सत्यानन्द जी महाराज ने कहा कि अपना अपना जीवन पवित्र बनाएं। पवित्र जीवन के लिए पवित्र व्यवहार, आहार विहार, विचार करने होंगे। उसके लिए प्रारम्भ से ही पवित्रता की नींव रखी जानी चाहिए जिससे पवित्र संस्कार जागते हैं। इसके विपरीत संस्कार गलत हो जाते हैं तो जीवन भी कष्टमय और अशांत हो जाता है।

स्वामी सत्यानन्द जी महाराज ने कहा कि अवतारी पुरुष श्रीराम जी ने एक आदर्श प्रस्तुत किया है। चाहे उनका बचपन हो या युवावस्था उन्होंने समाज को शिक्षित किया है।उनसे सीखने की जरूरत है। माता, पिता, भाई, मित्र या शत्रु के साथ कैसा व्यवहार हो यह उन्होंने सिखाया है। प्रारंभ से ही संस्कार देना बच्चों को आवश्यक है। इस अवसर पर राकेश गर्ग, परषोतम दास फतेहाबाद, चौधरी जींद, सुरेश जींद, इंद्र चंद राठी, वेद शर्मा, अशोक, कृष्ण, अंकुर गोयल सीए, रमेश महिपाल इत्यादि श्रद्धालुओं ने सन्त महापुरुषों को माला पहनाकर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के उपरांत भगवान की आरती की गई व उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

गुरुद्वारा साहिब हिंद की चादर में मनाया खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

मेन रोड पर स्थित गुरुद्वारा साहिब हिंद की चादर में खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व मनाया गया। अखंड पाठ का भोग डाला गया। गुरुद्वारा साहिब हिंद की चादर में 11 अप्रैल को अखण्ड पाठ आरंभ किया गया था। सिरसा से आए रागी जत्था भाई जसप्रीत सिंह ने खालसा साजना दिवस के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने 1699 में श्री आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल को मनाया जाने वाला बैसाखी पर्व सिख धर्म में एक

बरवाला। सिरसा से आए रागी जत्था भाई जसप्रीत सिंह खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व के बारे में बताते हुए।

बहुयामी पर्व है जिसमें ऐतिहासिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक पहलु शामिल है। श्री आनंदपुर साहिब में गुरु गोविंद सिंह जी ने एक बहुत बड़ी सभा का आयोजन किया था। गुरु गोविंद सिंह जी ने सभा में पांच व्यक्तियों को अपना बलिदान देने के लिए बुलाया था। सभा में भगदड़ मच गई, ऐसे में भाई दयाराम, भाई धर्मदास, भाई हिम्मत राय, भाई मोहकमचंद, भाई साहब चंद, गुरु जी को बलिदान देने के लिए तैयार हुए थे। गुरु जी की इस परीक्षा में ये पांचों पास हो गए और इनको खंडे बाटे का अमृत छक्का कर सिंह सजाया गया था।

ये रहे मौजू

इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब हिंद की चादर के प्रधान हरजीत सिंह, अमरीक सिंह, तरसेम सिंह, जीत सिंह, अमरजीत सिंह, गगन, जसविंदर सिंह, कुक्कू, सोनू, राणा, काला समेत समूह साध संगत मौजूद रही।

अनंतता से जुडने का मार्ग है ब्रह्मनाद ध्यान : आचार्य मां साक्षी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

समर्थगुरु सिद्धार्थ फाउंडेशन के तत्वाधान में समर्थगुरु संघ ने कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में आज संडे ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया। यह सेशन आचार्या मां साक्षी ने लिया जिसमें उन्होंने ब्रह्मनाद ध्यान करवाया। मां साक्षी ने कहा कि ब्रह्मनाद ध्यान एक शक्तिशाली ध्यान तकनीक है जिसका उद्देश्य व्यक्ति को ब्रह्मांडीय चेतना से जोडना है।

यह ध्यान हमें अपनी सीमित पहचान से परे जाकर, संपूर्ण ब्रह्मांड के साथ एकाकार होने का अनुभव कराता है। इसे अक्सर विस्तार का ध्यान या अनंतता का ध्यान भी कहा जाता है। ध्यान करने के उद्देश्यों में यह ध्यान हमें अपनी व्यक्तिगत, सीमित पहचान (जैसे कि हमारा नाम, शरीर, विचार और भावनाएं) से परे जाने में मदद करता है। एकात्मता का अनुभवः ब्रह्मांड पर ध्यान केंद्रित करने से हम यह अनुभव करते हैं कि हम अकेले और अलग-थलग नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जुड़े हुए हैं।

हिसार। कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में भाग लेते साधक। फोटो : हरिभूमि

शांति और आनंद की प्राप्तिः ब्रह्मांड की विशालता और शाश्वतता पर मनन करने से मन शांत होता है और आंतरिक शांति और आनंद का अनुभव होता है। भय और चिंता से मुक्तिः जब हम स्वयं को ब्रह्मांड का एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं, तो मृत्यु का भय और जीवन की छोटी-मोटी चिंताएं कम होने लगती हैं। आध्यात्मिक विकासः यह ध्यान आध्यात्मिक विकास और आत्म-साक्षात्कार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समर्थगुरु संघ हरियाणा के संयोजक आचार्य सुभाष ने हमारे जीवन ध्यान के महत्व पर विस्तार से महत्व बताते हुए समर्थगुरु संघ के कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की। हर घर ध्यान के उद्देश्य को पूरा करने के लिए समर्थगुरु संघ हर सप्ताह पूरे देश में अलग-अलग जगहों पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करता है। समर्थगुरु धारा के मुख्य आश्रम मुरथल में हर महीने दो तीन दिवसीय ध्यान के कार्यक्रम करवाए जातें हैं।

जिंदल हाउस में जनसभा करके हुई तैयारियों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जिंदल हाउस में विधायक सावित्री जिंदल ने अपने समर्थकों की बैठक ली। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर होने वाली भव्य रैली को सफल बनाने पर विचार किया गया। बैठक में सावित्री जिंदल के समर्थकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और अपने-अपने विचार साझा किए। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक सावित्री जिंदल ने कहा कि यह जनसमर्थन और उत्साह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे विकास और परिवर्तन के प्रति लोगों की आस्था को दर्शाता है। हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि यह रैली ऐतिहासिक हो और प्रधानमंत्री के स्वागत में कोई कसर न रहे। उन्होंने कहा कि हिसार में एयरपोर्ट की शुरुआत हिसार के विकास को पंख लगा देगी।

हिसार। जिंदल हाउस में समर्थकों की बैठक लेती विधायक सावित्री जिंदल।

इससे व्यापार और रोज़गार के अनेकानेक अवसर पैदा होंगे। इस अवसर पर विधायक सावित्री जिंदल के अलावा भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़, पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाला, मुन्ना तायल, जगदीश जिंदल, वेद रावल, पार्षद टीनू जैन, जगमोहन मित्तल व संजय डालमिया, डा. सुमन यादव, धर्मपाल सिवाच, प्रवीण जैन, स्नेहलता निंबल, देवेंद्र लाडा, मुकेश बाट्टू, धीरज वर्मा, अनिल शर्मा, राहुल सिंगल, डॉ. शिव सिंगल, सत्यप्रकाश राजलीवाला, राधेश्याम अग्रवाल, धर्मपाल सैनी, योगेन्द्र शर्मा, वीरभान बंसल, पूर्व पार्षद पिंकी शर्मा, अजीत सिंह, राजकुमार राजू, सुशील शर्मा, पवन सैनी, केला शर्मा, अंकुर सिवाच, महेंद्र गर्ग, खुशीराम गोयल, मास्टर रामावतार गर्ग, कृष्ण सैनी, विपिन भारद्वाज, कपिल सैनी, अधिराज गांधी, संजीव आहुजा, रामकिशन बेरवाल, दयानंद बेरवाल, डॉक्टर चंद्र शेखर, राजेश यादव, विक्रांत धमीजा, विनोद वर्मा, महावीर पानू, जसवंत रंगा, दीपक सेहरा, डॉ0 सुमित, नीलम सैनी, देवेन्द्र कोशिक, संतलाल, विक्की टांक, विकास गौड़, प्रदीप देवांतक, चानन, अंकुश मितल, मोहन सिंह रावत, विरेन्द्र पटवाल आदि सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

हनुमान जयंती पर निकाली यात्रा, भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

हनुमान जयंती के उपलक्ष में शहर के हनुमान मंदिर में हवन यज्ञ करके श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा निकाली। उसके बाद मंदिर के प्रांगण में भंडारा लगाया गया जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शहर के हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती के उपलक्ष में शद्धालुओं ने बड़े उल्लास के साथ मनाया। सबसे पहले मंदिर में हवन यज्ञ किया गया उसके बाद पूरे शहर में शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालुओं बड़े ही जोश के साथ नारों का उद्घोष किया। श्रद्धालु सज्जन जांगड़ा, सोमा, रामकेश,नरेश वर्मा, अमित यादव, शमशेर सैनी मास्टर संदीप लोहान मास्टर जय भगवान इत्यादि ने बताया कि हनुमान जयंती को लेकर पिछले काफी दिनों से तैयारी चल रही थी। मंदिर से ज्योत को लेकर पूरे शहर में उसके दर्शन करवाए गए। हर कोई मंदिर की ज्योत के दर्शन करके अपनी मनोकामना मांग रहे थे। मंदिर में मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु सच्ची आत्मा से कोई भी मनोकामना मांगता है तो उसकी पूर्ण होती हैं। यात्रा के बाद मंदिर में विशाल भंडारा लगाया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

नारनौंद। शहर में मंदिर से ज्योत लेकर शोभा यात्रा निकालते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

गुरु दक्ष राजकीय बहुतकनीकी में आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु दक्ष राजकीय बहुतकनीकी में तीन दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सेल्फ डिफेंस स्पोर्ट्स सोसाइटी (इंडिया) के संस्थापक एवं खेल व फिटनेस प्रशिक्षक रोहताश कुमार के मार्गदर्शन में हुआ।

शिविर में छात्राओं को आत्मरक्षा की 40 महत्वपूर्ण तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे संकट की स्थिति में अपनी सुरक्षा कर सकें। प्रशिक्षण सत्र संस्थान के छात्रावास परिसर में आयोजित किए गए और छात्राओं ने पूरे उत्साह और लगन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में संस्थान के प्राचार्य सुनील कुमार का विशेष योगदान रहा। उन्होंने इस शिविर को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया और छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सत्या सावंत रहीं। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया और प्रशिक्षण शिविर की सराहना की।

हिसार। प्रशिक्षण में हिस्सा लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

विशिष्ट अतिथियों में डॉ. प्रज्ञा कौशिक, सादिका अरोड़ा और छुपी मुस्कान फाउंडेशन की संस्थापक व समाजसेवी नीलम सुंडा शामिल रहीं। इसके अलावा कमलेश राय, राकेश ठकराल, परवीन हिंदू और संजीव ठकराल ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी छात्राओं को सेल्फ डिफेंस स्पोर्ट्स सोसाइटी की ओर से सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

आर्य समाज, मॉडल टाउन में वेद कथा का समापन

राम वन गए इसीलिए बन गए : संजय याज्ञिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में आर्य समाज, मॉडल टाऊन में चल रही वेद कथा का रविवार को समापन हो गया। इस दौरान हवन-यज्ञ में मोहित हंस, राकेश लांबा, ध्रुव अहलावत, साधना मेहता व सुमन बत्रा ने यजमान के रुप में भाग लिया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य सूर्यदेव वेदांशु ने नारी तो जग की महतारी, तेरे कारण ही गुलशन की महके क्यारी-क्यारी.. .. भजन सुना कर नारी की महत्ता का वर्णन किया।

- वेद कथा के समापन पर ऋषिभोज करवाया

शहीदे आजम भगत सिंह की जीवनी सुनाते हुए सुकीर्ति आर्या ने देश को गुलामी की जंजीरों से छुड़ाकर, लानी मां की आजादी है, आओ बहनों गीत गाओ मेरे भगत की शादी है.. .. भजन सुनाकर शहीदों को याद किया।

हिसार। आर्य समाज मॉडल टाऊन में आयोजित वेद कथा में प्रवचन देते वैदिक प्रवक्ता संजय याज्ञिक व उपस्थित श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

मेरठ से आये वैदिक प्रवक्ता संजय याज्ञिक ने कहा कि भगवान राम को आज दुनिया इसलिए जानती है क्योंकि भगवान राम वन गए थे और जो वहां संकट का जीवन जिया था। राम वन गए इसीलिए बन गए। वेद कथा के समापन पर ऋषिभोज दिया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जगदीश प्रसाद आर्य, वीरेंद्र आर्य, पवन रावलवासिया, सुभाष आर्य, वेदप्रकाश आर्य, सुरेन्द्र बेरवाल, आनंद गर्ग, जय कुमार बंसल, सुरेश गर्ग, हरीश बुड़ाकिया, मदन वासुदेवा, संजीव भाटिया, अशोक गौतम, देवेन्द्र सैनी, राम कुमार आर्य, जितेन्द्र बख्शी, महेंद्र आर्य, वेद नारंग, राज कुमार डुडेजा, एवं सावित्री, निर्मला, उमा अग्रवाल, कंचन डुडेजा, सुमन बत्रा, सविता, साधना मेहता, सुनीता सहारण, रेखा गौतम, ललिता शास्त्री, राज वर्मा, कमलेश खुराना आदि भी उपस्थित रहे।

बैशाखी मनाते हुए जिंदल पार्क में आयोजित किया स्वदेशी चिकित्सा शिविर

स्वदेशी जागरण मंच के निःशुल्क योग शिविर व स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने उमड़े साधक

- शिविर में आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, एक्युप्रेशर आदि सेवाएं प्रदान की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

स्वदेशी जागरण मंच द्वारा पतंजलि योग समिति के सहयोग से चलाए गए आठ दिवसीय निशुल्क योग शिविर का समापन स्वदेशी चिकित्सा शिविर के साथ हुआ। कपड़ा मार्केट के पास स्थित जिंदल पार्क में आठ दिनों तक प्रातः व सायंकाल शहरवासियों ने योग क्रियाएं, आसन व प्राणायाम सीखकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। इसी कड़ी में बैसाखी मनाते हुए स्वदेशी जागरण मंच व आरोग्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में स्वदेशी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, एक्युप्रेशर, नाड़ी परीक्षण, योग, ध्यान व प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों की सेवाएं शहरवासियों को निशुल्क प्रदान की गई। इस अवसर पर बैसाखी मनाते हुए सभी साधकों को बादाम व छुहारे वाला गाय का दूध पिलाया गया।

हिसार। स्वदेशी जागरण मंच व आरोग्य भारती द्वारा आयोजित स्वदेशी चिकित्सा शिविर में उपस्थित शहरवासी व अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

निशुल्क योग शिविर के अंतिम दिन व स्वदेशी चिकित्सा शिविर में गुजवि के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई, हकृवि के रजिस्ट्रार डॉ. पवन कुमार, सीबीएलयू भिवानी की रजिस्ट्रार डॉ. भावना शर्मा, भाजपा के राज्य सचिव कैप्टन भूपेंद्र सिंह, पूर्व मेयर गौतम सरदाना, भाजपा जिला महामंत्री संजीव रेवड़ी, आरएसएस के नगर संचालक राहुल अग्रवाल, समाजसेवी तरुण जैन, पार्षद टीनू जैन, कृष्ण बिश्नोई, मनोज बुड़ाकिया व रामचंद्र गुप्ता सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। स्वदेशी जागरण मंच, पतंजलि योग समिति व आरोग्य भारती द्वारा संयुक्त रूप से सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया।

अंतिम दिन मेडिटेशन करवाया

स्वदेशी जागरण मंच के प्रांतीय प्रचार प्रमुख अनिल गोयल ने बताया कि प्रसिद्ध योग शिक्षक डॉ. मुकेश कुमार ने आठ दिनों तक लगातार योग क्रियाओं से अवगत करवाते हुए अभ्यास करवाया। आर्ट ऑफ लिविंग के ध्यान चिकित्सक नीरज गुप्ता ने शिविर के अंतिम दिन मेडिटेशन करवाया और आरोग्य भारती के विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने स्वदेशी चिकित्सा पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान शिविर में डॉ. सुखबीर वर्मा, डॉ. रिंपल मित्तल, कृष्ण शर्मा, डॉ. रामनिवास व परीक्षित विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सिटी अल्ट्रासाउंड व एक्सरे और डीजीएल डायग्नोस्टिक की तरफ से बीपी, शुगर, पल्स व वेट आदि से संबंधित स्वास्थ्य जांच भी निशुल्क की गई। आठ दिवसीय निशुल्क शिविर के दौरान शिविर संयोजक संजीव शर्मा, सह-संयोजक मोना जैन व विनय असीजा, कार्यक्रम प्रमुख दिनेश चुघ, सह-कार्यक्रम प्रमुख सुमन ऐरन, पुनीत खुराना व सोनिया श्योदान, योग प्रकल्प प्रमुख नरेंद्र वशिष्ट, कार्यक्रम व्यवस्था प्रमुख देवेंद्र अग्रवाल व जगबीर सिंह सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया

हिसार। बैसाखी पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर आधारित प्रस्तुति करते विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

- विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जाना बैसाखी का महत्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बैसाखी का पर्व पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण को रंग-बिरंगी सजावटी सामग्री से सजाया गया, और विद्यार्थियों ने पारंपरिक परिधान पहनकर पूरे वातावरण को पंजाबी रंग में रंग दिया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षिकाओं नीलम पानू, नेहा, प्रतीक्षा, सीमा, सिमरन डांगी, साक्षी, सिमरन भाटिया, पारूल, सिमरन मेहता, संतोष सैनी और मधु कुमारी ने पंजाबी लोकनृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच सज्जा में कला अनुभाग प्रमुख अपूर्वा ने अपनी रचनात्मकता से कार्यक्रम की सुंदरता में चार चाँद लगा दिए। विद्यालय द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक शिक्षाप्रद अनुभव भी रहा। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करते हैं।

बैसाखी की शुभकामनाएं दीं

विद्यालय के प्रबंध निदेशक आरएस सिंधु ने सभी को बैसाखी की शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्या अनीता पन्नू दलाल ने बैसाखी की बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों को हमारी संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के महत्व को समझने का अवसर मिलता है।

1108 हनुमान चालीसा पाठ करते हुए जय हनुमान के उदघोष से गूंजा धाम

- मारुति स्तोत्र महायज्ञ में उमड़े श्रद्धालु, श्रद्धालुओं ने की हनुमान जी की स्तुति : विनय शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

महाभारतकालीन प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बीड़ बबरान धाम में श्री हनुमान जन्मोत्सव पूरी आस्था के साथ मनाया गया। इस दौरान 1108 हनुमान चालीसा पाठ व मारुति स्तोत्र महायज्ञ का आयोजन भी किया गया। बीड़ बबरान धाम में अपने इष्ट श्याम बाबा के दरबार व हनुमान जी के मंदिर में माथा टेकने के लिए सुबह से ही श्रद्धालु उमडने लगे। श्री हनुमान जन्मोत्सव के लिए हनुमान जी के मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया। पवनपुत्र हनुमान की अदभुत आभा देखकर भक्त अनायास ही नतमस्तक हो गए।

हिसार। बीड़ बबरान धाम में आयोजित श्री हनुमान जन्मोत्सव में उपस्थित श्रद्धालु।

इस अवसर पर 1108 हनुमान चालीसा पाठ करते हुए पूरा धाम जय हनुमान के उदघोष से गुंजायमान हो उठा। मारुति स्तोत्र महायज्ञ में आहुति डालते हुए जनकल्याण की कामना की गई। इस दौरान बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा ने बताया कि धाम में श्याम बाबा के दरबार के सामने हनुमान जी का प्रसिद्ध मंदिर स्थापित है। इस मंदिर के प्रति भी भक्तों की अगाध आस्था है।

विधायक के भाई के निधन पर जताया शोक

नारनौंद। सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने नारनौंद पहुंचकर सफीदों से विधायक रामकुमार गौतम के चचेरे भाई के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने परिजनों से मुलाकात करते हुए अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। सहकारिता मंत्री नारनौंद में सफीदों विधायक रामकुमार गौतम के आवास पर पहुंचे। वहां उन्होंने उनके चचेरे भाई एडवोकेट देवेंद्र गौतम के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कैंसर की बीमारी के कारण देवेंद्र गौतम बहुत जल्दी परिवार का साथ छोड़ गए। उनका निधन परिवार के लिए व उनके शुभचिंतकों के लिए गहरा आघात है। डॉ. अरविंद शर्मा ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विवि की टीम का शानदार प्रदर्शन

- टीम में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय के कानूनी विभाग की टीम ने स्वामी देवी दयाल लॉ कॉलेज, पंचकूला में आयोजित राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सेमीफाइनल तक पहुंचकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो-चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने टीम को बधाई दी।

चांसलर डॉ. गोयल ने कहा कि प्रतियोगिता में सेमीफाइनल तक पहुंचकर हमारे विद्यार्थियों ने जो उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है वह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। वे टीम के सभी सदस्यों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई देते हैं। प्रो. चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल हमारे छात्रों की कानूनी प्रतिभा को दर्शाती है, बल्कि हमारे विश्वविद्यालय के कानूनी विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली उच्च गुणवत्ता की शिक्षा का भी प्रमाण है।

हिसार। मूट कोर्ट प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय की टीम। फोटो : हरिभूमि

प्रतियोगिता में बीएएलएलबी के द्वितीय सेमेस्टर के लकी ने स्पीकर-1, बीएएलएलबी के चतुर्थ सेमेस्टर की नैंसी ने स्पीकर-2 और एलएलबी के छठे सेमेस्टर के सचिन दहिया ने रिसर्चर के रूप में भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 20 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें से ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय की टीम ने सेमीफाइनल तक पहुंचकर अपनी प्रतिभा एवं बुद्धिमता का परिचय दिया। नैंसी को प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता के पुरस्कार और पदक से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी कौशिक और प्रति कुलपति डॉ. राजेंद्र सिंह छिल्लर ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कानूनी विभाग के विभागाध्यक्ष एडवोकेट नीरज तनेजा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी छात्रों को बधाई दी और उन्हें भविष्य में भी इसी तरह सफलता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसी के साथ उन्होंने कानूनी विभाग के सभी शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि सभी शिक्षक अपने अनुभव और मेहनत से विद्यार्थियों को इस काबिल बनाने में सहयोग दे रहें है।

हिसार। अभियान के अवसर पर दोनों संस्थाओं के पदाधिकारी।

बैशाखी पर 'हमारा प्यार-हिसार' और 'ग्रीन हिसार फिट हिसार' ने चलाया पेंटिंग व पौधारोपण अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

बैशाखी के अवसर पर 'हमारा प्यार-हिसार' और 'ग्रीन हिसार फिट हिसार' की टीमों ने मिलकर सिटी थाना रोड पर पेंटिंग व पौधारोपण अभियान चलाया। इस रोड पर मलबे व कूड़े के ढेर लगे हुए थे। सभी सदस्यों ने मिलकर सफाई व पेंटिंग के साथ यहां पौधारोपण किया और पेड़ों की छंगाई की। दोनों संस्थाओं ने पहले भी मिल कर यहां सफाई अभियान चलाया था।

इस अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. सुरेंद्र गर्ग, अदेश मलिक, मंजू पुनिया, डॉ. राज सोनी, डॉ. रमेश भाटी, राजेंद्र सिंह, जितेंद्र बंसल, शंकर, महेन्द्र भाटिया, भारत भाटिया, रेखा गर्ग, ममता छाबड़ा, सचिन, सुहासिनी, मधु गोयल, विजय कादियान, मंदीप पूनिया, अश्विनी, संजय मारवाड़ी, सुरेंद्र पानू, दिनेश बंसल, मनीष गोयल, सत्येंद्र यादव, प्रवीण अग्रवाल, विक्की रौतेला, पराग, पूर्वी बंसल, अंकित गर्ग, ईशा बिष्ट, एकता, जगतार सिंह, सुंदर सैन, सविता, मलिक सिंह, चिराग़, यजत, राघव, इप्सिता, रिमछा, जैस्मिन, अभिमन्यु पुनिया, स्पर्श व अभिमन्यु शामिल हुए।

शिवपुराण कथा में साध्वी करूणागिरी ने अनेक प्रसंग सुनाकर की श्रद्धालुओं की जिज्ञासा शांत

- युवाओं के प्रयत्न व बड़ों के अनुभवों का समावेश से काम में सफलता मिलना निश्चित : साध्वी करूणागिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

युवा पीढ़ी यदि अपने प्रयत्नों व बड़ों के अनुभवों का समावेश कर लें तो काम में सफलता मिलना निश्चित है। युवा को यह नहीं सोचना चाहिए केवल वही सही है, जो वह कर रहा है। उन्हें बड़ों के अनुभव व सलाह का लाभ भी उठाना चाहिए।

यह बात महामंडलेश्वर साध्वी करूणागिरी जी महाराज ने श्री प्रयागगिरी शिवालय ट्रस्ट की ओर से संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग के सानिध्य में चल रही श्री शिवपुराण कथा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। कथा के सातवें दिन रविवार को उन्होंने अनेक प्रसंग सुनाए। उन्होंने कहा कि भारत भूमि में संस्कार है, यूं कहे कि भारत ही संस्कारों की जननी है, तो कोई गलत नहीं होगा। इसीलिए हमारे ऋषि मुनियों ने भारत को सोने की चिड़िया कहा था। उन्होंने कहा कि इंसान का मन संत के प्रति समर्पित होना चाहिए, उसे जब भी समय मिले, संतों से प्रेरणा लेनी चाहिए। कथा के दौरान साध्वी करूणागिरी महाराज ने ब्रह्मा जी की आज्ञा से ताड़कासुर वध, शनि की दृष्टि पड़ने से गणेश जी का सिर कटने व फिर एक दांत वाले हाथी का सिर लगाकर गणेश जी को देवताओं का मुखिया बनाने के प्रसंग सुनाए। भगवान शिव ने प्रसन्न होकर वरदान दिया कि जो कोई गणेश चतुर्थी का व्रत करेगा और नियम से पूजा करेगा, उस पर गणेश जी अत्यंत प्रसन्न होंगे। साध्वी करूणागिरी ने गणेश जी के साथ सिद्धि व बुद्धि के विवाह की कथा, मल्लिकाजुर्न ज्योतिर्लिंग की स्थापना का प्रसंग भी सुनाया।

हिसार। शिवपुराण कथा में प्रवचन करते साध्वी करूणागिरी महाराज।

कार्यक्रम में हिसार सासंद जयप्रकाश ने कहा कि कथा सुनने से मन को शांति मिलती है और घर परिवार में सुख-शांति बननी रहती है।

शहर में मंदिर श्री लक्ष्मण चौतरा जैसे ऐतिहासिक मंदिर होना गर्व की बात

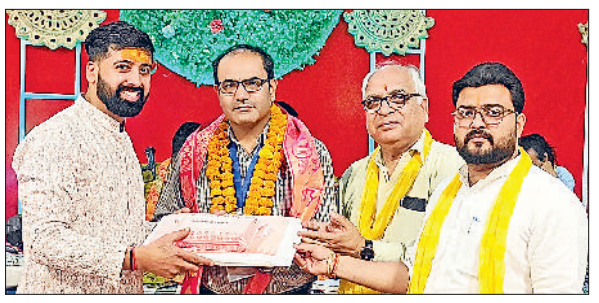

- वृंदावन से आए भजन गायक भैया श्यामा श्याम ने दी भजनों की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

शेषावतार भगवान श्री लक्ष्मण जी के पावन स्थल मंदिर श्री लक्ष्मण चौतरा में 68वें बैसाखी मेले के दूसरे दिन श्री राधा नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। वृंदावन से आए भैया श्यामा श्याम ने भजनों के माध्यम से सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम राजेश खोथ रहे। एसडीएम राजेश खोथ ने बैसाखी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बैसाखी का त्योहार हमारी गौरवशाली परम्परा और समृद्ध विरासत का प्रतीक है। नई फसल के कटने से जुड़ा यह त्योहार हमारे देश की कृषक परम्पराओं और समृद्ध संस्कृति का भी परिचायक है। उन्होंने कहा कि यह दिन भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े उत्साह से अलग-अलग त्योहारों के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार नव वर्ष के आगमन के प्रतीक हैं।

बैठक | सुभाष सिंधु खांडाखेड़ी बने जाट धर्मशाला सभा के महासचिव

सर्वसम्मति से कार्यकारिणी गठित, संजीव बने प्रधान

- जाट धर्मशाला सभा की नई कार्यकारिणी का गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जाट धर्मशाला सभा की नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन कर लिया गया। चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. सुरेंद्र सिंह गहलावत थे जिनकी देखरेख में यह चुनाव हुआ। सभी पदों पर सर्वसम्मति बनने उपरांत जांच के उपरांत रविवार को रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

सर्वसम्मति से बनी कार्यकारिणी में संजीव कुहाड़ नंबरदार मैयड़ को प्रधान, जयबीर सिंह को सीनियर वाइस प्रेजिडेंट, सोनू को जूनियर वाइस प्रेजिडेंट, सुभाष सिंधु खांडाखेड़ी को महासचिव, धर्मपाल को सह सचिव, दीपक कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा राजेंद्र सिंह, मेहताब सिंह, बलवान व राजेश को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया।

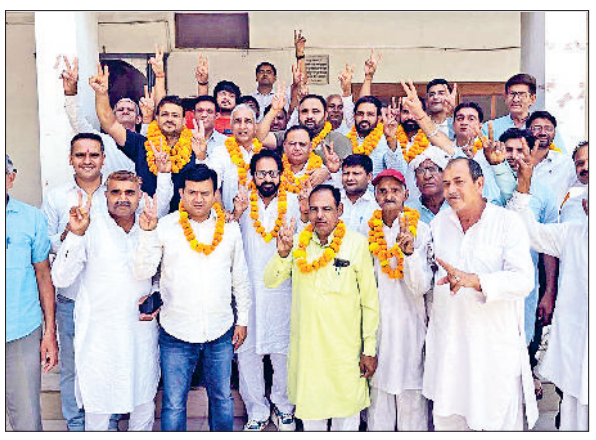
हिसार। जाट धर्मशाला सभा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी।

ये रहे मौजूद

प्रधान संजीव कुहाड़ ने सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न करवाने के लिए समाज के लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सबके साथ मिलकर समाज व धर्मशाला के उत्थान के लिए कार्य किए जाएंगे। महासचिव सुभाष सिंधु खांडाखेड़ी ने अपने चयन पर सभी का आभार जताया और कहा कि यह उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि समाजसेवा का एक पवित्र उत्तरदायित्व है। उन्होंने इस चयन के लिए वरिष्ठजनों, सहयोगियों व समाजबंधुओं का आभार जताया। इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा पूर्व प्रधान जगजीत सिंह, विकेंद्र मलिक व अशोक गोयत, प्रसन्न दहिया, अशोक मलिक, ईश्वर मोर, नरेश पूनिया, प्रवीन नैन सरपंच मात्रश्याम, वीरेंद्र सिंह गढ़वाल, संदीप सिंधु, ईश्वर चहल पूर्व एक्सिएन सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

जाट सेवक संघ ने मनाया स्थापना दिवस

- राजेश बड़ाला प्रधान व जोगिन्द्र पातड़ बने महासचिव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जाट सेवक संघ ने रविवार को अपना दसवां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता साधुराम जाखड़ व सत्यवान पानू ने की। इस अवसर पर संघ की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए सर्वसम्मति से चुनाव हुआ। संघ के चुनाव में राजेश बड़ाला को प्रधान एवं जोगिन्द्र पातड़ को महासचिव निर्वाचित किया गया। सदन ने दोनों पदाधिकारियों को नई कार्यकारिणी गठित करने के लिए सर्वाधिकार प्रदान किए। संघ के प्रवक्ता सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी ने बताया कि इस अवसर पर संघ के अनेक वरिष्ठ सदस्य, कार्यकर्ता और गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए समाज सेवा एवं संगठन को मजबूत करने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। संघ आगामी समय में शिक्षा, युवाओं के उत्थान और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर विशेष रूप से कार्य करेगा। इस अवसर पर सुनीता रेडडू, राजवीर सिंह बूरा, कुलवीर सिंह, बलजीत पूनिया, संजय कुंडू, तेजवीर सिंह चाहर, राजेश कुमार, विरेन्द्र अहलावत, रामपाल मोहला, देवेन्द्र मान, कुलजीत रेडडू, हरिओम राठी, रमेश सिवाच, प्रमोद मोर, रणवीर गुराना, तरिफ सिंह आदि रहे।

हिसार। जाट सेवक संघ के कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति व नवनिर्वाचित पदाधिकारी।